Scholarly Research Journal for Humanity Science & English Language,
Online ISSN 2348-3083, SJ IMPACT FACTOR 2017: 5.068, www.srjis.com
PEER REVIEWED & REFERRED JOURNAL, OCT-NOV 2018, VOL- 6/30

बोकारो जिले में अवस्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृति का अध्ययन

विन्देश्वरी पवार[1],Ph.D. & मो. गुलाम रसुल अंसारी[2]

[1]सहायक प्राध्यापक शिक्षा विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,बिलासपुर

[2]एम.एड. छात्र शिक्षा विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय,बिलासपुर

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तुत शोध बोकारो जिले में अवस्थित उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृति के अध्ययन से संबन्धित है / शोध के उद्देश्य इस प्रकार थे –झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना , झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना , झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना । इन उद्देश्यों के आधार पर लघु शोध को पूर्ण करने हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है । जनसंख्या के रूप में झारखंड राज्य के बोकारो जिले के सभी झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बद्ध प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी थे तथा न्यादर्श के रूप में 200 विद्यार्थियों को अलग-अलग विद्यालयों से चयनित किया गया था। जिसमे 100 विद्यार्थी का चयन झारखंड अधिविध परिषद से सम्बद्ध प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से तथा 100 विद्यार्थी केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बद्ध प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से चयन किया गया था । प्रदत्तों के संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली (सूचना सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति मापनी) का प्रयोग किया गया था । प्राप्त प्रदत्तों का गुणात्मक अनुसन्धान विधि का प्रयोग करके पदों का विश्लेषण किया गया तथा वर्णात्मक विधि से प्रदत्तों को

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

प्रतिशत तथा आरेख द्वारा व्यक्त किया गया था । विश्लेषण के उपरांत परिणाम के रूप में प्राप्त हुआ कि वर्तमान में झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल में अध्ययनरत बालक व बालिकाओं का सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृति में अन्तर है क्योंकि ये सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी की पढ़ाई में समान रूचि रखते हैं तथा हमेशा सक्रिय रहते हैं , वहीं, अलग-अलग परीक्षा बोर्ड के विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धत्ता एवं शैक्षिक वातावरण में भिन्नता होती है जिसके कारण विद्यार्थियों में सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृति में भिन्नता होती है ।

प्रस्तावना

वर्तमान प वर्तमान शिक्षा व कक्षा- कक्ष शिक्षण में गुणवत्ता परिवर्तन, शैक्षिक अभियंत्रण तथा प्रबंधन में आने वाले समस्याओं के समाधान के विशिष्ट साधनों के रूप में सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है । राष्ट्र की आवश्यकता व शैक्षणिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी का प्रयोग एवं उपयोग की आवश्यकता होती है । अपने ज्ञान को अद्यतन करना और ऐसे में जब शिक्षा एवं विज्ञान के क्षेत्र में नए नए परिवर्तन हो रहे है तो सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यही एक मात्र साधन है जिसके द्वारा ज्ञान का सही एवं प्रमाणिक जानकारी मिलती है तथा शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को सक्रिय भी बनती है । इस शिक्षण भी प्रभावी होता है । अगर हम झारखण्ड के बोकारो जिले के उच्चतर माध्यमिक कक्षा के परीक्षा परिणाम की बात करे तो यह पता चलता है की प्रत्येक वर्ष झारखण्ड अधिविध परिषद के अंतर्गत पढ़ने वाले छात्रो का परिणाम केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के अंतर्गत पढने वाले छात्रों के परीक्षा परिणाम की तुलना में कमी देखी जाती है। सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी एक महत्वपूर्ण बिंदु है जो शिक्षण अधिगम को बेहद प्रभावी बनाती है । इस शोध में झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल के अंतर्गत 11वीं एवं 12 वीं पढने वाले छात्रों में सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है ।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अध्ययन का उद्येश्य:-

- झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना ।
- झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना ।
- झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना ।

अध्ययन की मान्यताएं

अध्ययन के लिए मान्यताएं इस प्रकार थी –

1. झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा ।
2. झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा ।
3. झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

शोध की प्रकृति

प्रस्तुत लघु शोध की प्रबंध की प्रकृति वर्णात्मक प्रकार की थी ।

शोध की विधि

प्रस्तुत लघुशोध कार्य में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया था ।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

जनसंख्या

प्रस्तुत लघु शोध कार्य प्रबंध में जनसंख्या के रूप में झारखंड राज्य के बोकारो जिले के सभी झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बद्ध प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी थे ।

न्यादर्श एवं न्यादर्श चयन विधि

प्रस्तुत लघु शोध कार्य के लिए न्यादर्श के रूप में 200 विद्यार्थियों को अलग-अलग विद्यालयों से चयनित किया गया था । जिसमे 100 विद्यार्थी का चयन झारखंड अधिविध परिषद से सम्बद्ध प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से तथा 100 विद्यार्थी केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बद्ध प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से चयन किया गया था ।

न्यादर्श हेतु विभिन्न परीक्षा मंडल से सम्बद्ध प्राप्त विद्यालयों से चयनित छात्रों की संख्या

झारखंड अधिविध परिषद	बालक	50
	बालिका	50
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल	बालक	50
	बालिका	50
कुल		200

न्यादर्श चयन की विधियों में से लघु शोध प्रबंध कार्य के लिए शोधकर्ता द्वारा विद्यालय चयन हेतु सोद्देश्य विधि एवं विद्यार्थियों के चयन हेतु यादृक्षिक न्यादर्श विधि का चयन किया गया है । इसके लिए झारखण्ड राज्य के बोकारो जिले के 4 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया जिसमे से झारखंड अधिविध परिषद से सम्बन्धित 2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया तथा केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित 2 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया था ।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

प्रदत्तों का संकलन हेतु प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत लघुशोध में शोधकर्ता द्वारा प्रदत्तों का संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली (सूचना सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति मापनी) का प्रयोग किया गया था । जिसमे उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति से सम्बन्धित कुल 50 कथन थे । जिसमे चार आयाम थे ।

प्रदत्तों के विश्लेषण की प्रक्रिया

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध कार्य में प्रदत्तों के लिए गुणात्मक अनुसन्धान विधि का प्रयोग करके पदों का विश्लेषण किया गया था तथा वर्णात्मक विधि से प्रदत्तों को प्रतिशत तथा आरेख द्वारा व्यक्त किया गया था ।

प्रस्तुत लघुशोध का प्रथम उद्देश्य "**झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना" था** | इस अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में चयनित बालकों पर शोधकर्ता द्वारा निर्मित प्रश्नावली के प्रशासन के उपरांत फलांकन की प्रक्रिया से प्राप्त आंकडों का प्रतिशत ज्ञात किया गया । जिसे आयाम के आधार पर आरेख में प्रदर्शित किया गया है –

आयाम-1 कंप्यूटर प्रचालन कौशल से सम्बन्धित विद्यार्थियों के आंकड़ो का विश्लेषण

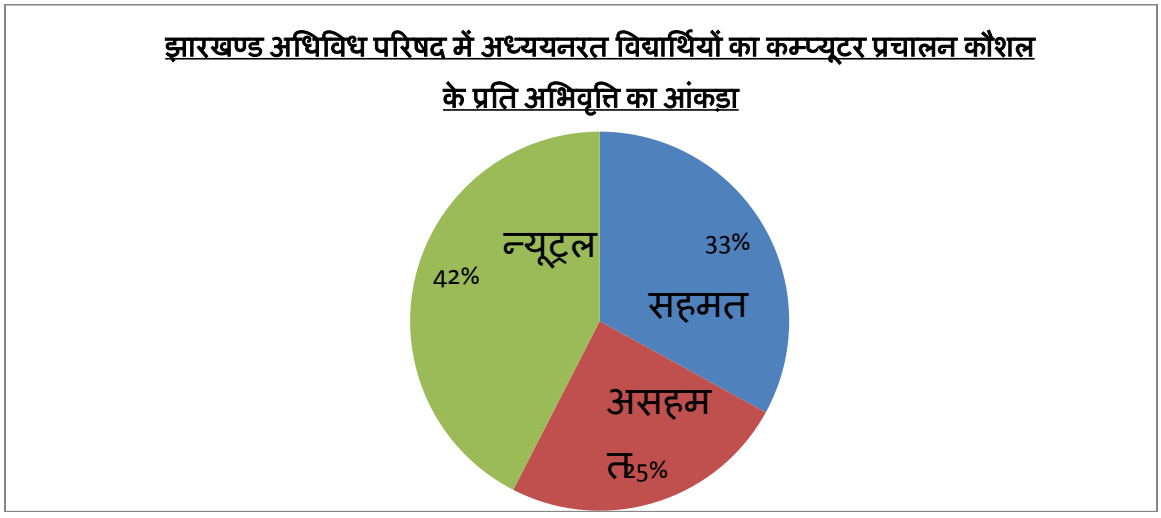

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

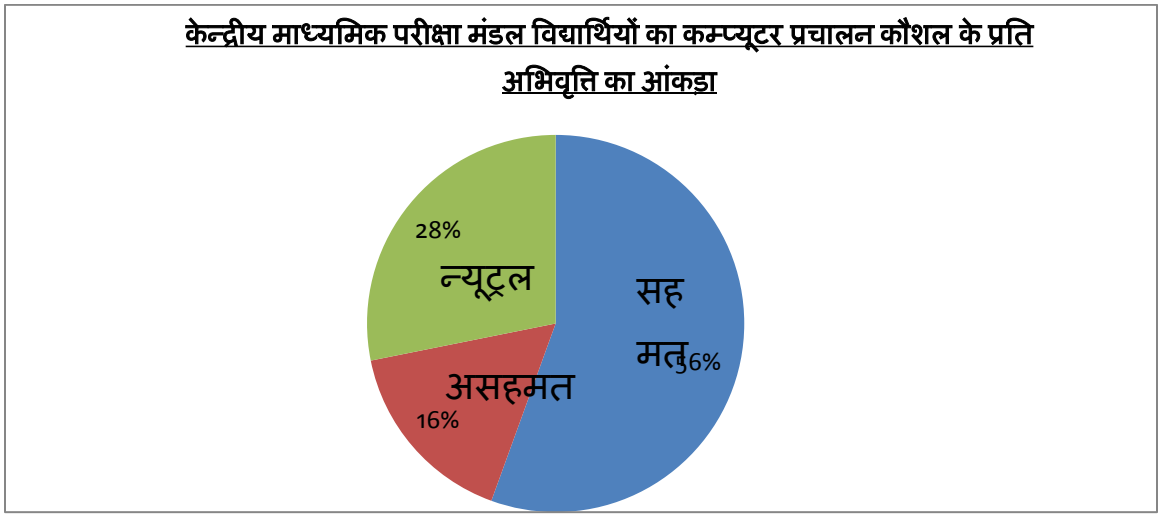

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 33% विद्यार्थी कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 24.5% विद्यार्थी नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 42.5% विद्यार्थी अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 55.5% विद्यार्थी कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 16.3% विद्यार्थी नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 28.2% विद्यार्थी अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी की तुलना में कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

आयाम-2 शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से सम्बन्धित विद्यार्थियों के आंकड़ो का विश्लेषण

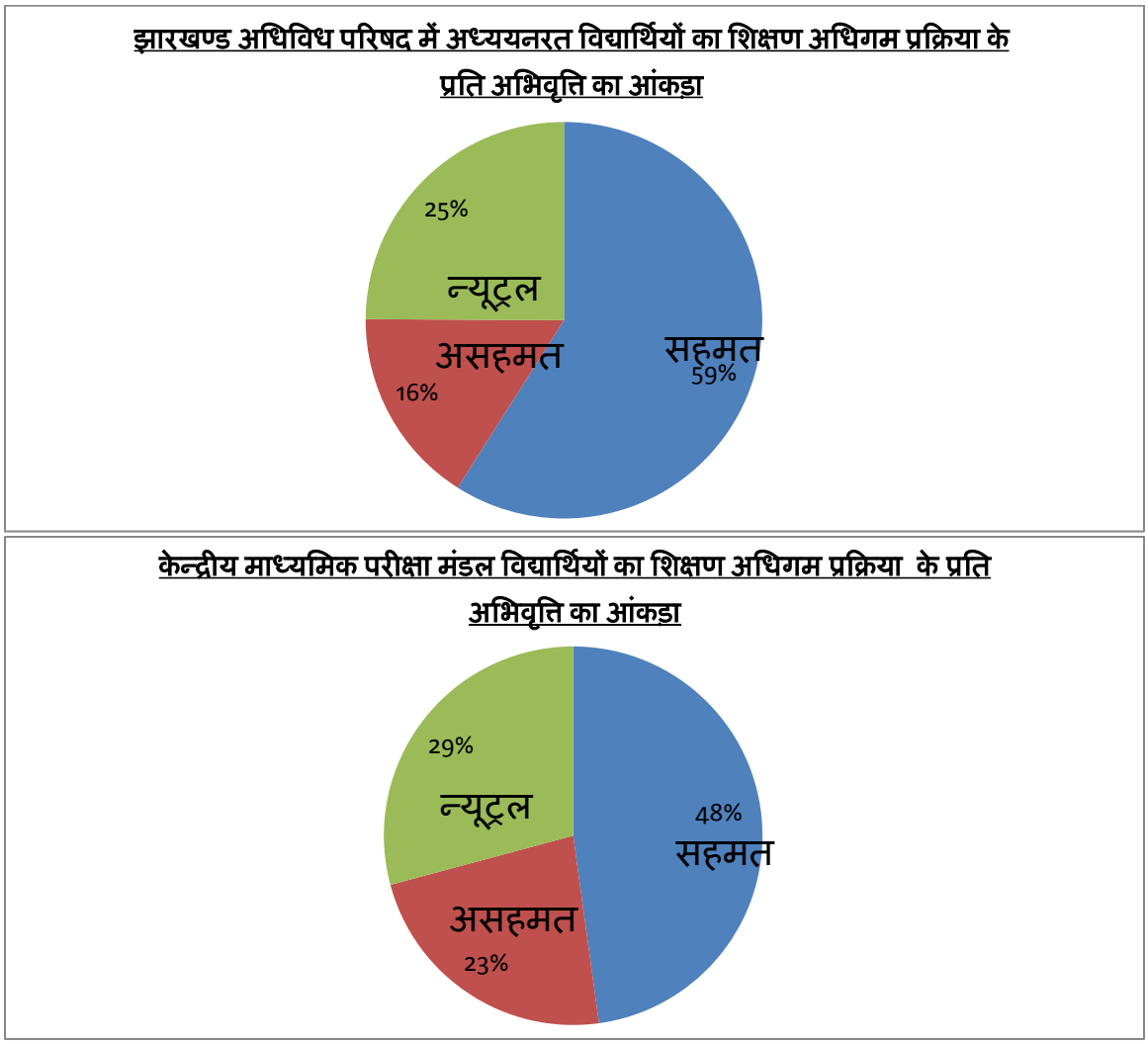

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 25% विद्यार्थी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 16% विद्यार्थी नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 59% विद्यार्थी अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 29% विद्यार्थी शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 23% विद्यार्थी नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 48% विद्यार्थी अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अध्ययनरत विद्यार्थी झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी की तुलना में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है

आयाम-3 व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी से सम्बन्धित विद्यार्थियों के आंकड़ो का विश्लेषण

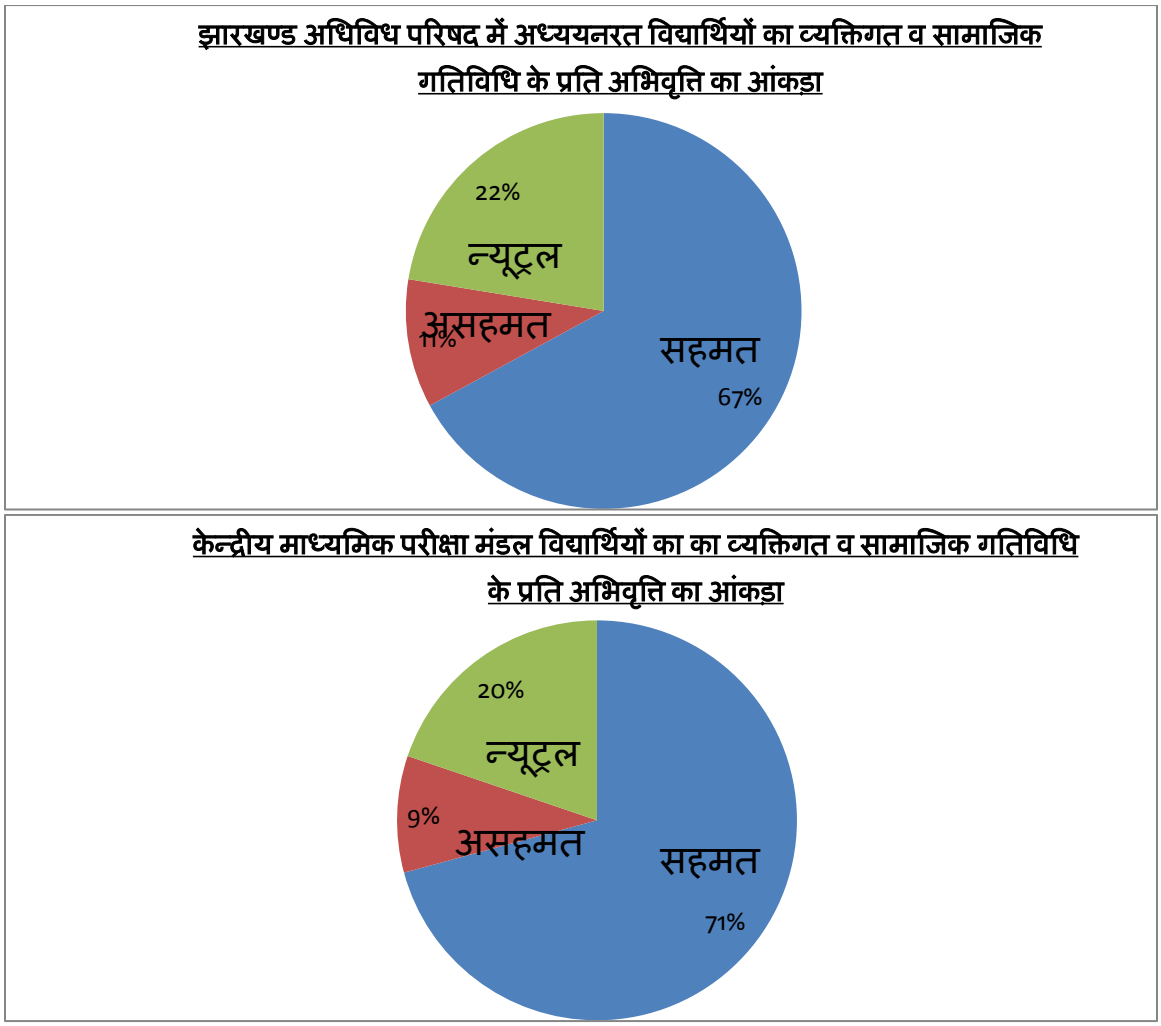

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 67% विद्यार्थी व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 11% विद्यार्थी नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 22% विद्यार्थी अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 71% विद्यार्थी व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति सकारात्मक

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अभिवृत्ति रखते है तथा 9% विद्यार्थी नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 20% विद्यार्थी अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी की तुलना में व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है।

आयाम-4 मनोरंजन गतिविधी से सम्बन्धित विद्यार्थियों के आंकड़ो का विश्लेषण

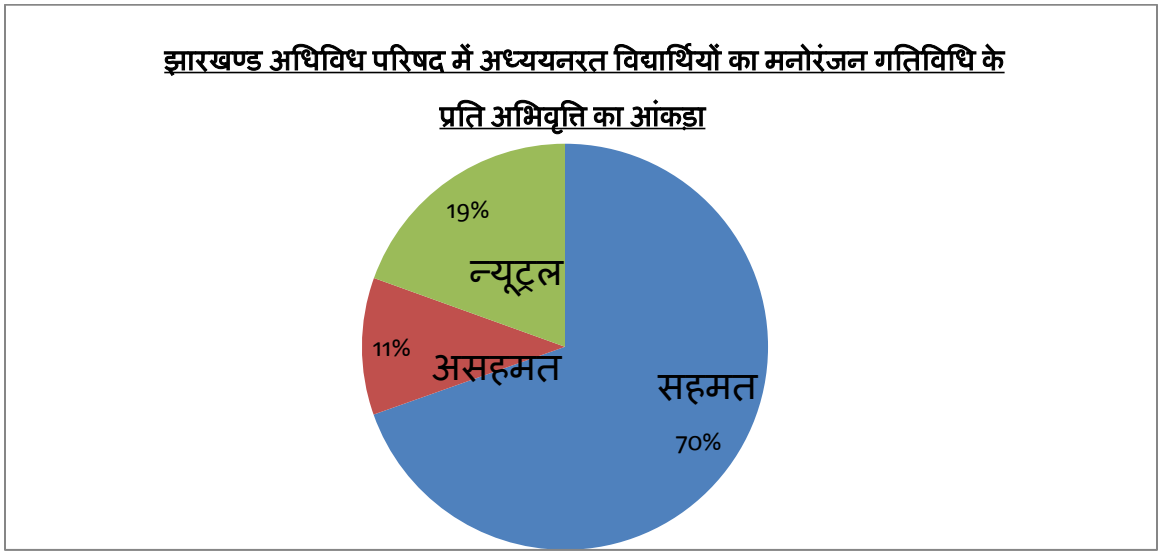

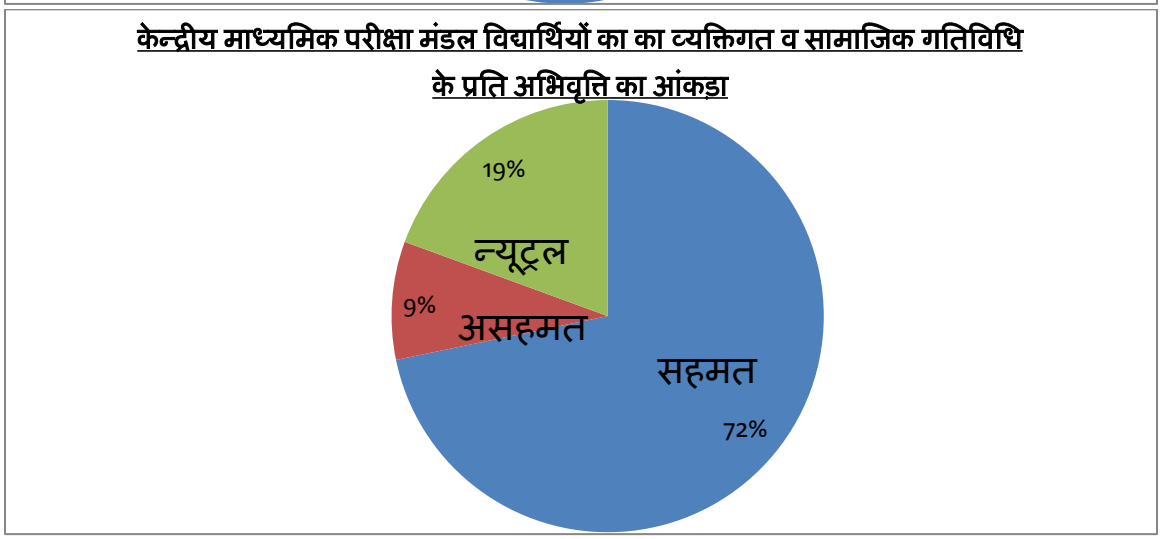

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 67% विद्यार्थी मनोरंजन व के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

रखते है तथा 11% विद्यार्थी नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 22% विद्यार्थी अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 71% विद्यार्थी मनोरंजन व के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 9% विद्यार्थी नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 20% विद्यार्थी अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी की तुलना में मनोरंजन व के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

द्वितीय उद्देश्य "**झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना**" इस अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में चयनित बालकों पर शोधकर्ता द्वारा निर्मित प्रश्नावली के प्रशासन के उपरांत फलांकन की प्रक्रिया से प्राप्त आंकडों का प्रतिशत ज्ञात किया गया । जिसे आयाम के आधार पर आरेख में प्रदर्शित किया गया है –

आयाम-1 कंप्यूटर प्रचालन कौशल से सम्बन्धित बालकों के आंकड़ो विश्लेषण

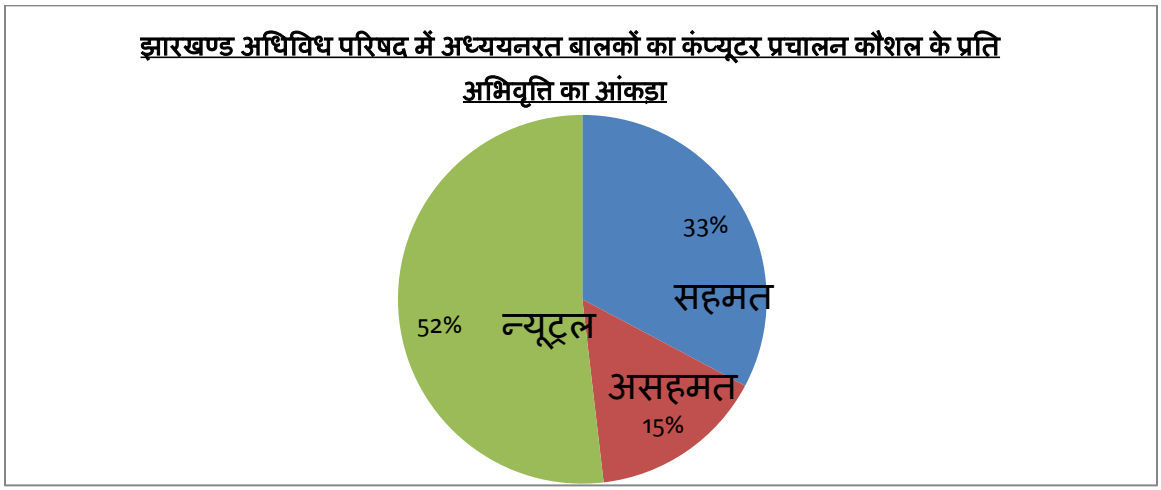

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

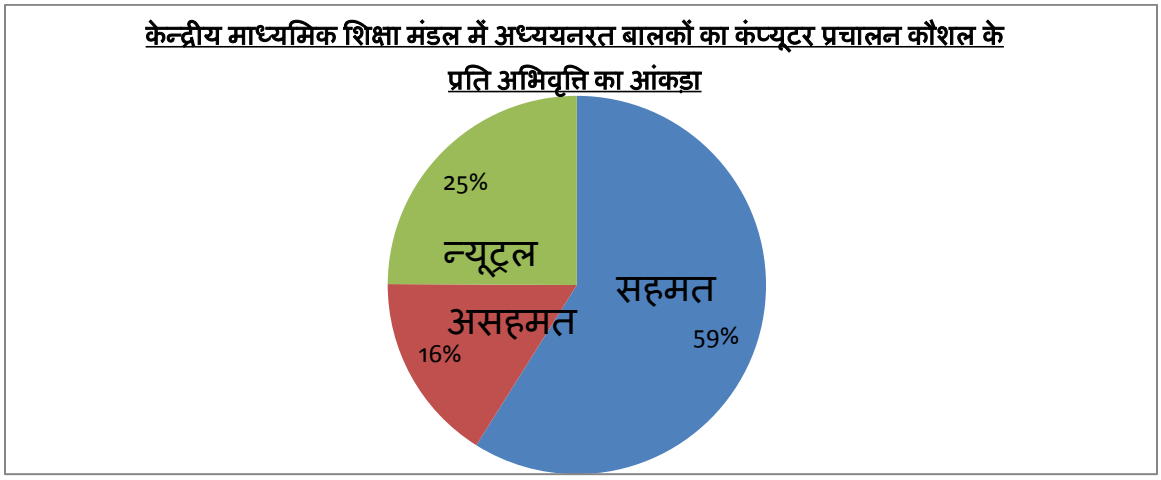

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 33% बालक कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 15% बालक नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 52% बालक अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 59% बालक कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 16% बालक नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 25% बालक अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालक झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालको की तुलना में कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

आयाम-2 शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया से सम्बन्धित बालकों के आंकड़ो का विश्लेषण

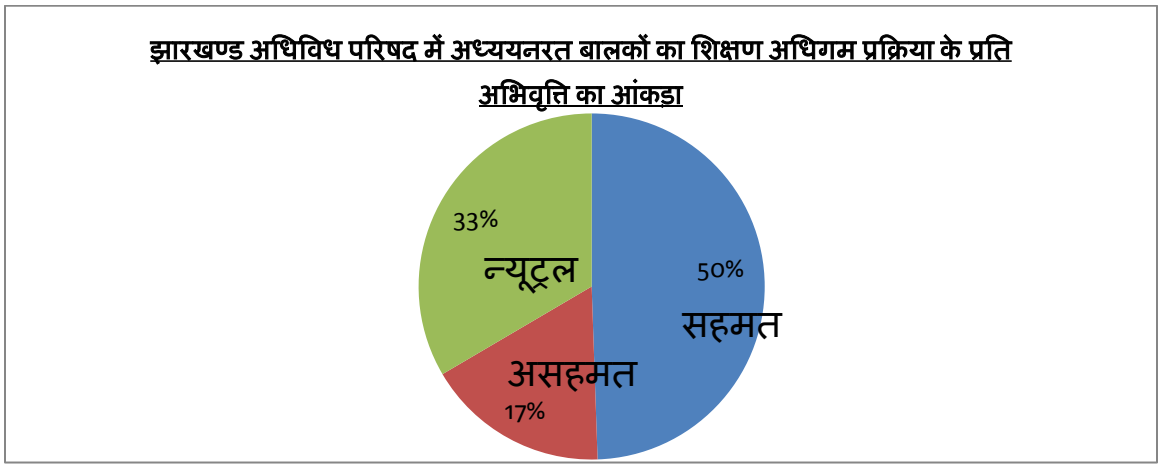

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

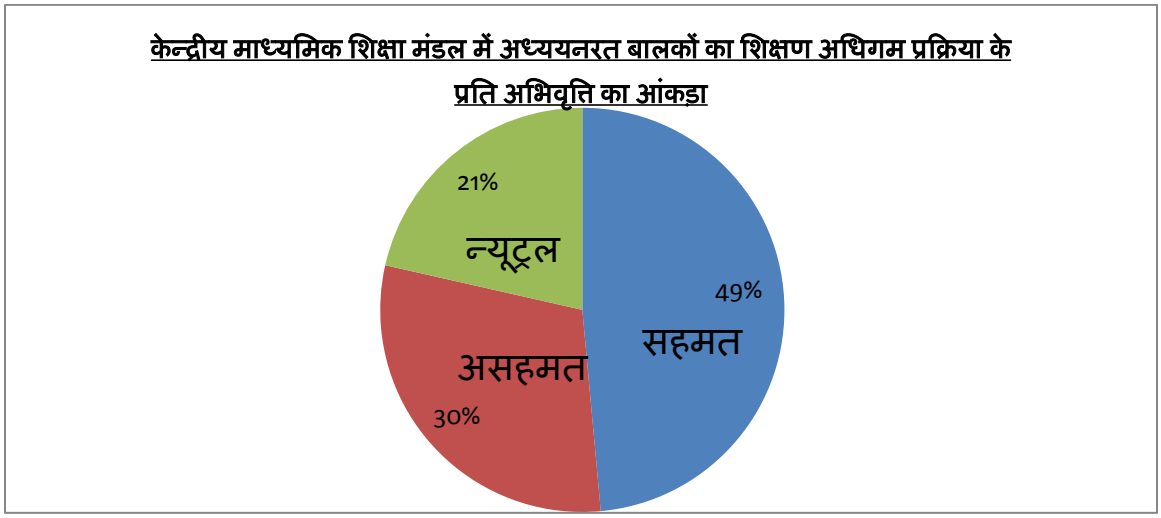

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 50% बालक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 17% बालक नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 33% बालक अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 49% बालक शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 30% बालक नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 21% बालक अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालक झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों की तुलना में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

आयाम-3 व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी से सम्बन्धित बालकों के आंकड़ो का विश्लेषण

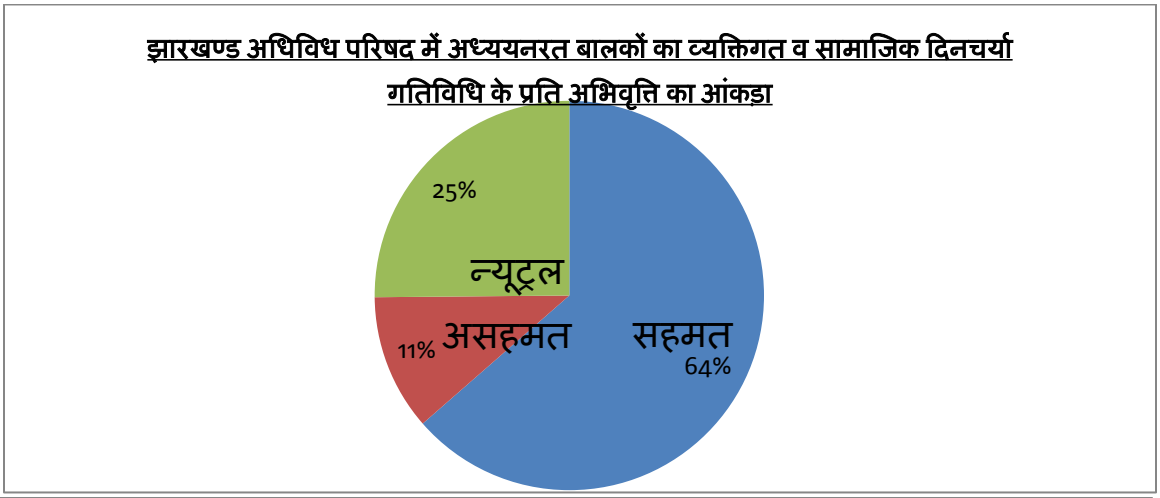

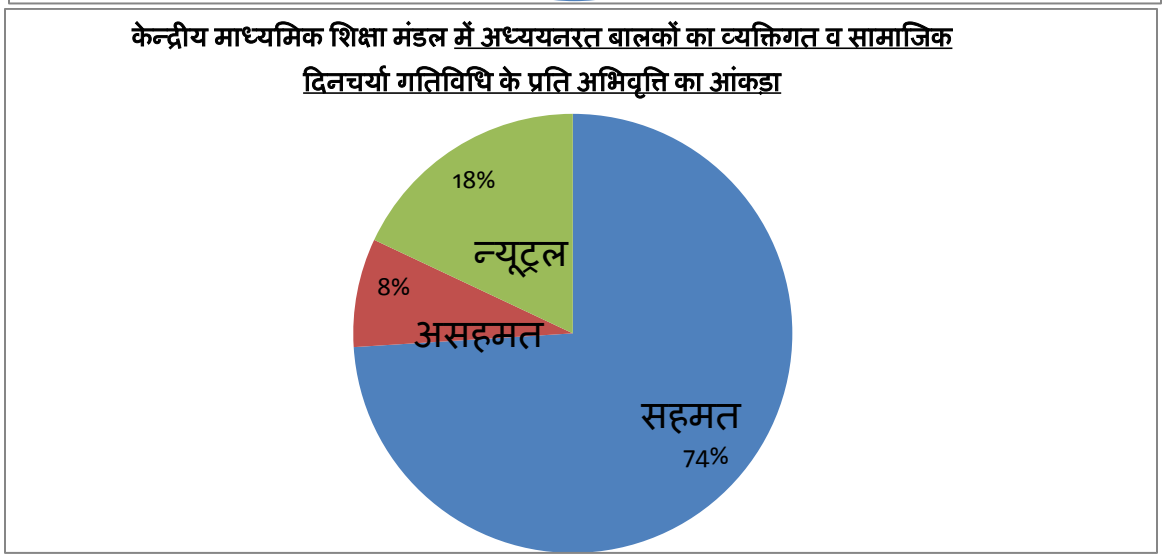

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 64% बालक व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 11% बालक नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 25% बालक अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 74% बालक व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 8% बालक नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 18% विद्यार्थी बालक अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

विद्यालयों में अध्ययनरत बालक झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों की तुलना में व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

आयाम-4 मनोरंजन गतिविधी से सम्बन्धित बालकों के आंकड़ो का विश्लेषण

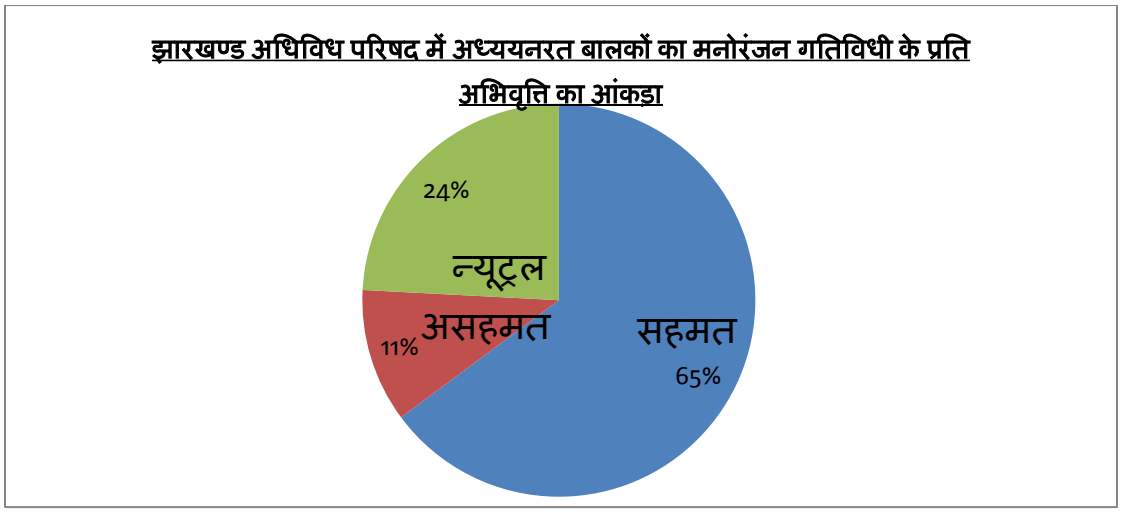

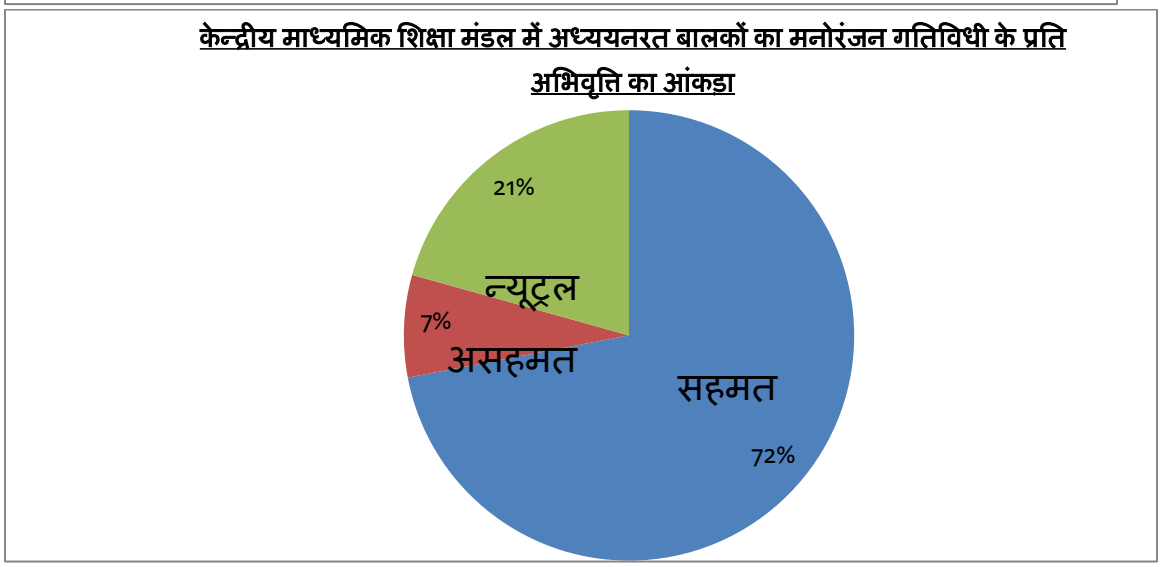

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 65% बालक मनोरंजन व के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 11% बालक नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 24% बालक अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 72% बालक मनोरंजन व के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 7% बालक नकारात्मक अभिवृत्ति

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

रखते हैं एवं 21% बालक अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालक झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालकों की तुलना में मनोरंजन व के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

तृतीय उद्देश्य **"झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन"** इस अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में चयनित बालकों पर शोधकर्ता द्वारा निर्मित प्रश्नावली के प्रशासन के उपरांत फलांकन की प्रक्रिया से प्राप्त आंकडों का प्रतिशत ज्ञात किया गया । जिसे आयाम के आधार पर आरेख में प्रदर्शित किया गया है –

आयाम–1 कंप्यूटर प्रचालन कौशल से सम्बन्धित बालिकाओं के आंकड़ो का विश्लेषण

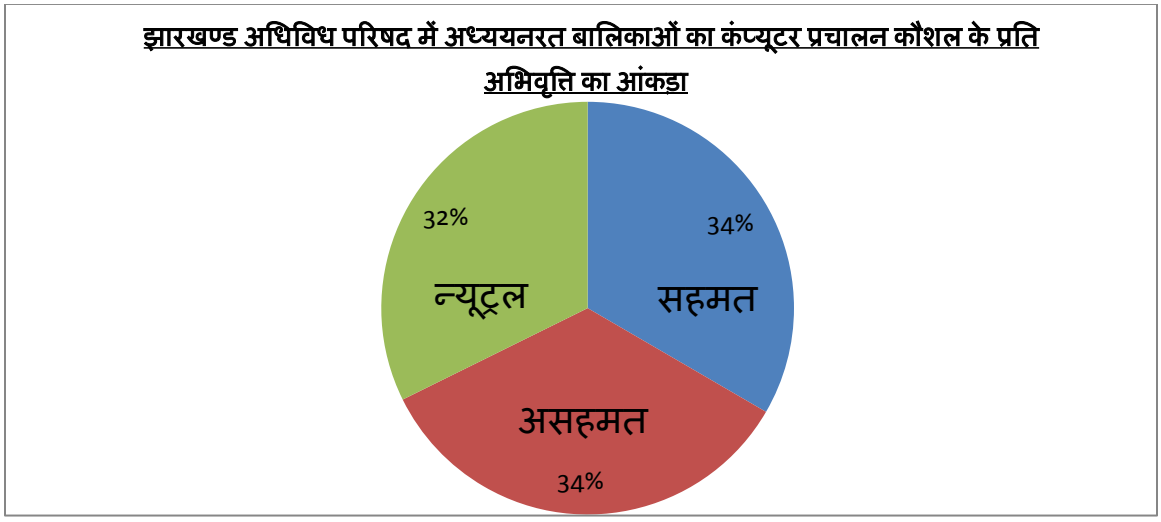

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

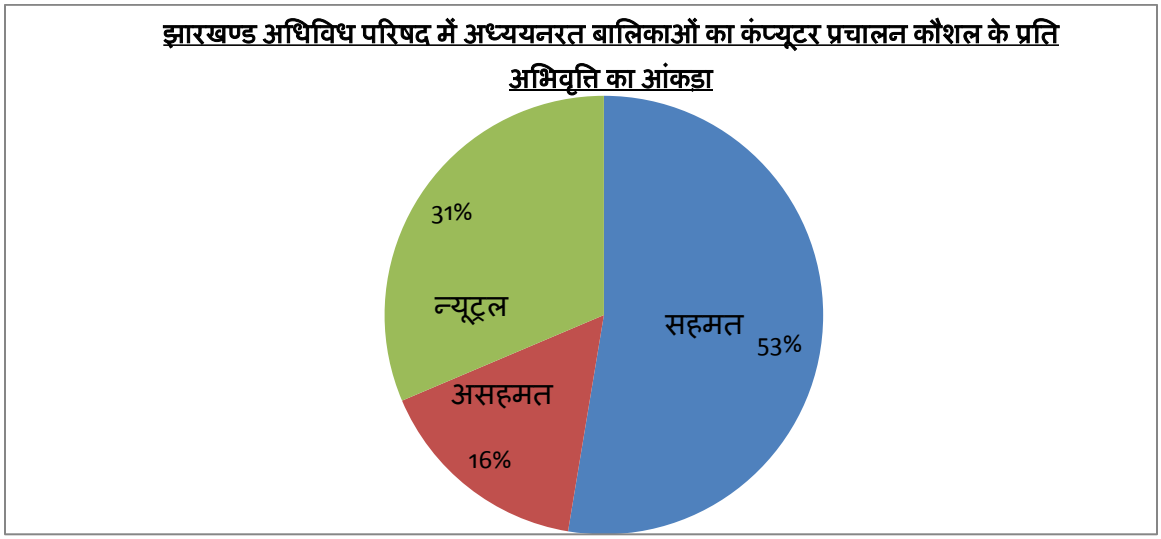

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 34% बालिका कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 34% बालिका नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 31% बालिकाएं अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 53% बालिकाएं कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 16% बालिकाएं नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 31% बालिकाएं अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाएं झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की तुलना में कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

आयाम–2 शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया से सम्बन्धित बालिकाओं के आंकड़ो का विश्लेषण

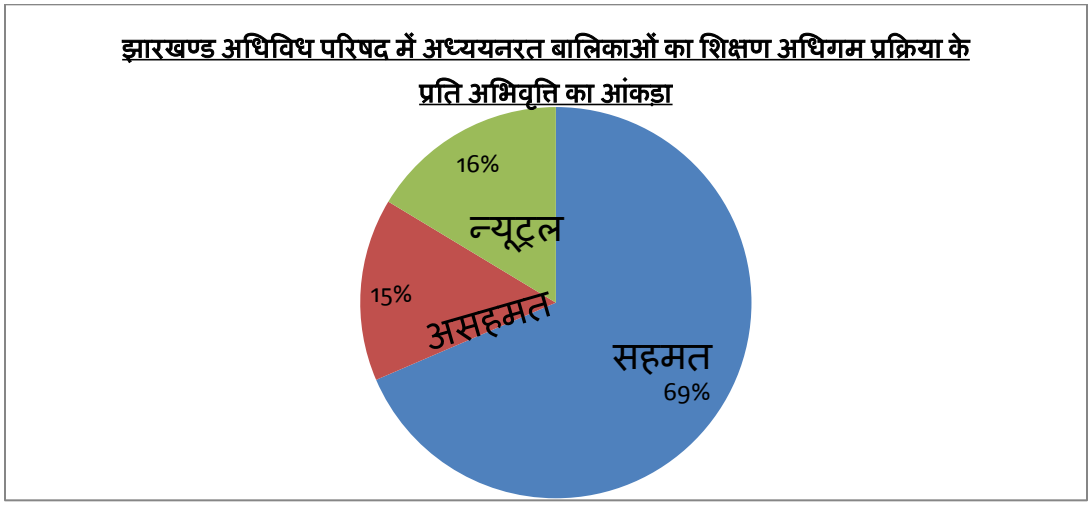

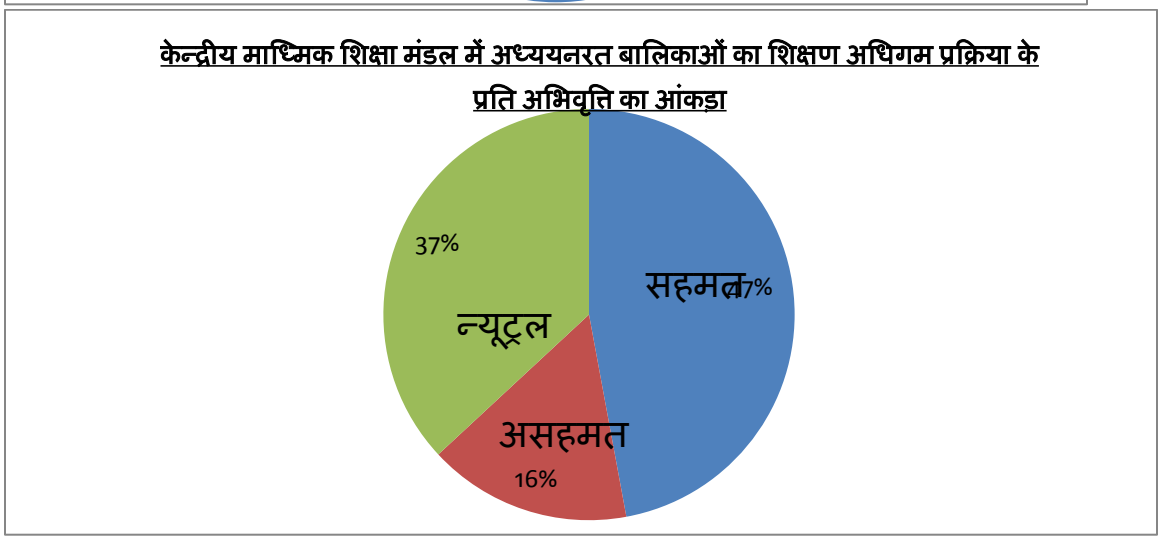

उपर्युक्त तालिका एवं पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 69% बालिकाएं शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 15% बालिकाएं नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 16% बालिकाएं अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 47% बालिकाएं शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 16% बालिकाएं नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 37% बालिकाएं अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाएं झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की तुलना में शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

आयाम–3 व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी से सम्बन्धित बालिकाओं के आंकड़ो का विश्लेषण

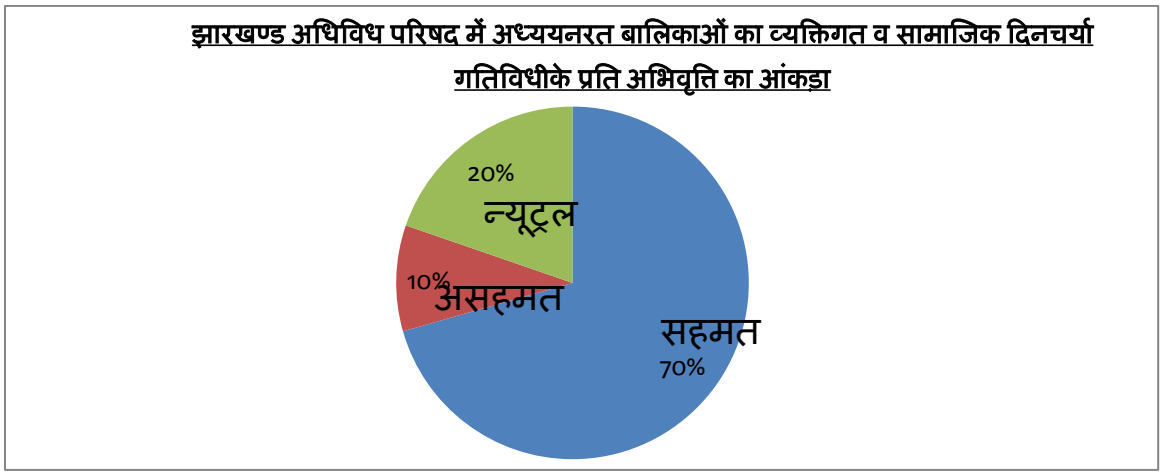

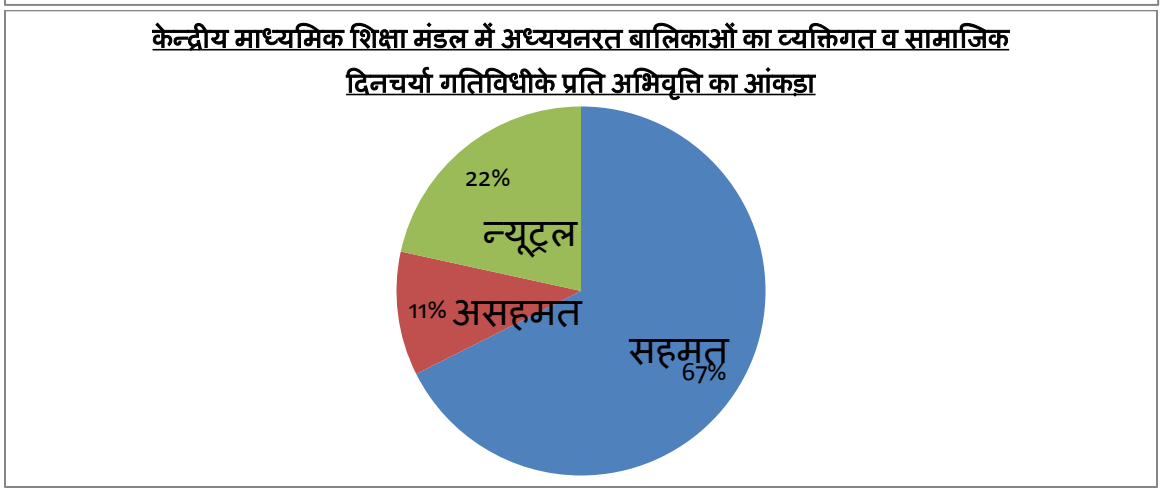

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 70% बालिकाएं व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 10% बालिकाएं नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 20% बालिकाएं अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 67% बालिकाएं व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 11%बालिकाएं नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 22% बालिकाएं अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकायें झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की तुलना में व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

आयाम-4 मनोरंजन गतिविधी से सम्बन्धित विद्यार्थियों के आंकड़ो का विश्लेषण

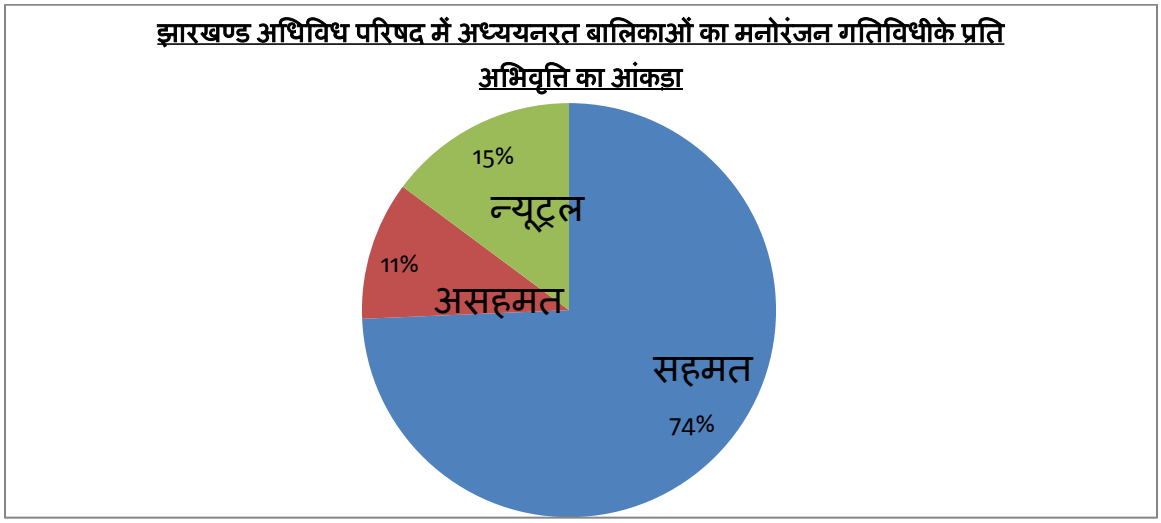

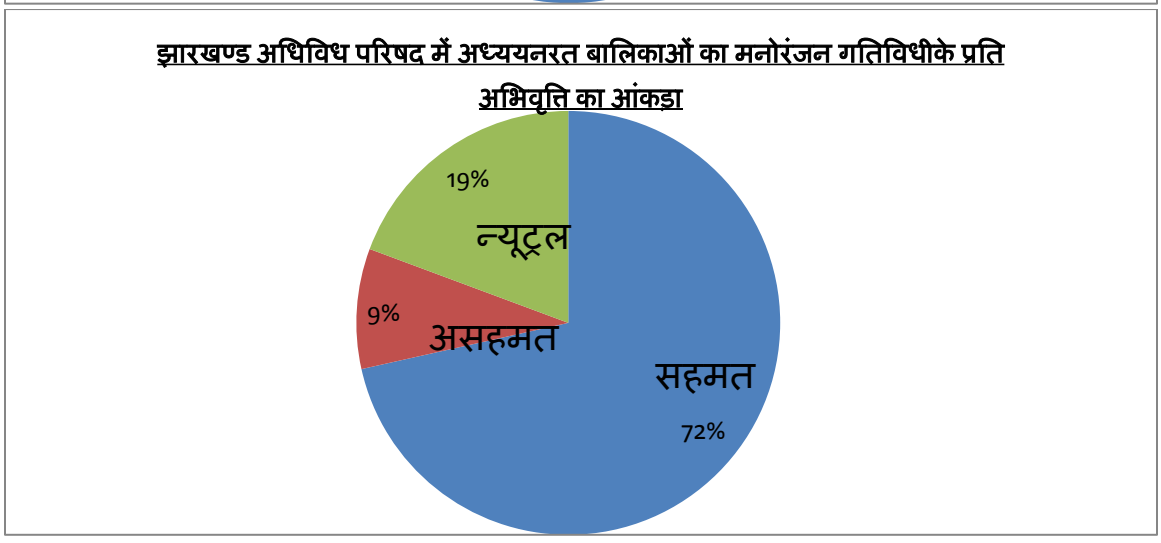

उपर्युक्त पाई चार्ट के अनुसार उच्च माध्यमिक स्तर के झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 74% बालिकाएं मनोरंजन व के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 11% बालिकाएं नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 15% बालिकाएं

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

अनिश्चित हैं । वहीं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत 72% बालिकाएं मनोरंजन व के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है तथा 9%बालिकाएं नकारात्मक अभिवृत्ति रखते हैं एवं 19% बालिकाएं अनिश्चित हैं । अत: इन आंकड़ो से निष्कर्ष प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकायें झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की तुलना में व्यक्तिगत व समाजिक दिनचर्या गतिविधी के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

परिणाम एवं चर्चा

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध के प्रथम उद्येश्य के अध्ययन के उपरांत के परिणाम के रूप में प्राप्त हुआ था कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी की तुलना में कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है । वहीं द्वितीय उद्येश्य के अध्ययन के आंकड़ो से परिणाम प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालक झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालको की तुलना में कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है । तृतीय उद्येश्य के अध्ययन के आंकड़ो से परिणाम प्राप्त होता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाएं झारखण्ड अधिविध परिषद से सम्बन्धित विद्यालयों में अध्ययनरत बालिकाओं की तुलना में कंप्यूटर प्रचालन कौशल के प्रति अधिक सकारात्मक अभिवृत्ति रखते है ।

वर्तमान में झारखण्ड अधिविध परिषद एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा मंडल में अध्ययनरत बालक व बालिकाओं का सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृति में अन्तर है क्योंकि ये सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी की पढ़ाई में समान रूचि रखते हैं तथा हमेशा सक्रिय रहते हैं । वहीं, अलग-अलग परीक्षा बोर्ड के विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता एवं शैक्षिक वातावरण में भिन्नता होती है जिसके कारण विद्यार्थियों में सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृति में भिन्नता होती है ।

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

भावी शोध हेतु सुझाव

1. समय सीमा और उपलब्ध साधनों के आधार पर शोधकर्ता ने छोटा न्यादर्श लिया है अधिक वैधता एवं विश्वसनीयता प्राप्त करने के लिए बड़े न्यादर्श का चयन किया जा सकता है
2. इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड के बालक व बालिकाओं में भी सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया जा सकता है ।
3. उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों में भी सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया जा सकता है ।
4. यह शोध झारखंड के बोकारो जिले के अंतर्गत किया गया है, इसे झारखंड के दुसरे जिले तथा दुसरे राज्यों में भी किया जा सकता है

सन्दर्भ ग्रन्थ

- बिहारी, रमन. (2016). *शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार*, आगरा, आगरा पब्लिकेशन
- वालिया, धीरज. (2012). अम्बाला जिला के बी. एड. महाविद्यालय में सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी के प्रयोग का अध्ययन, *रिसर्च एनालिसिस एंड इवैल्यूएशन*, 3
- राठौड़, के., गुप्ता, ए. (2014). प्रारम्भिक स्तर के प्रशिक्षनार्थियों की शिक्षण दक्षता पर सूचना व सम्प्रेषण तकनीकी के प्रभाव पर एक अध्ययन, *रिसर्च एनालिसिस एंड इवैल्यूएशन*, 5
- वैद्य, सी., उपाध्याय,के.(2014). इफेक्टिवनेस ऑफ़ एडुकोम्प स्मार्ट क्लास प्रोग्राम इन टर्म्स ऑफ़ मिडिल level स्टूडेंट्स ऑफ़ जबलपुर, *रिसर्च लिंक*,10
- स्युर, एस.(2014). बी.एड. प्रोग्राम में कंप्यूटर शिक्षा कोर्स को प्रभावित करने वाले कारकों पर एक अध्ययन, रिट्रीव्ड फ्रॉम www.shodhganga.inflibnet.ac.com
- शर्मा,(2014). माध्यमिक स्तर पर कम्प्यूटर शिक्षा के प्रति विद्यार्थियों की अभिवृत्ति का अध्ययन , रिसर्च लिंक वोल्यूम -8
- कुमुद,एस. (2015). माध्यमिक स्तर पर छात्रों की गणितीय उपलब्धि सम्प्रेषण तकनीकी के प्रभाव का अध्ययन , रिट्रीव्ड फ्रॉम www.shodhganga.inflibnet.ac.com

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

- भटनागर, एस.(1979). *शैक्षिक अनुसंधान*, विकास पब्लिकेशन हाउस प्रा. लिमिटेड, आगरा
- पाठक ,पी. डी.(2012). *शिक्षा मनोविज्ञान*, आगरा पब्लिकेशन, आगरा पृष्ट- 201
- आर्य,एम. (2015). कक्षा कक्ष शिक्षण को प्रभावी बनाने में सूचना एवं संचार तकनीकी की भूमिका का अध्ययन,*रिसर्च लिंक, 5*
- आर्य,एस. (2015).कक्षा कक्ष शिक्षण को प्रभावी बनाने में सूचना एवं संचार तकनिकी की भूमिका का अध्ययन, साऊथ एशिया जर्नल ऑफ मल्तिदिसिप्लिनरी स्टडीज, *साऊथ एशिया जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज , 1*, 2395 – 1079
- सक्सेना, आर. (2015). *उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक*, आर. लाल बुक डिपो, आगरा.

Copyright © 2017, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies